राष्ट्रीय हथकरघा दिवस

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

हाल ही में **7 अगस्त, 2024** को 10वाँ **राष्ट्रीय हथकरघा दिवस** मनाया गया। यह दिवस वर्ष 2015 से मनाया जा रहा है और यह **7 अगस्त, 1905** को **स्वदेशी आंदोलन** के शुभारंभ का प्रतीक है, जो घरेलू हथकरघा उत्पादों को बढ़ावा देने वाले स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा था।

- **अद्वितीय हथकरघा उत्पाद:** बनारसी, जामदानी, बालूचरी, मधुबनी, कोसा, इक्कत, पटोला, टसर सिल्क, माहेश्वरी, मोइरंग फी, फुलकारी, लहेरिया, खंडुआ और तंगलिया।
  - **हथकरघा कपड़े** आमतौर पर उच्च गुणवत्ता वाले प्राकृतिक रेशों जैसे **कपास, लिनन, रेशम और ऊन** से बनाए जाते हैं, जो लचीले होते हैं और लंबे समय तक चलते हैं।
- **सरकारी पहल:**
  - **राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (NHDP):** हथकरघा समूहों को वित्तीय सहायता, विपणन सहायता और पुरस्कार प्रदान करता है। 10,000 करघों के लिये 30 करोड़ रुपए के साथ मेगा क्लस्टरों को वित्तपोषित करने की योजना है।
  - **बाज़ार पहुँच पहल (MAI):** बाज़ार अनुसंधान, अंतर्राष्ट्रीय विपणन और छोटे उद्योगों के लिये समर्थन के माध्यम से निर्यात को बढ़ावा देता है। यह मार्च 2026 तक प्रभावी रहेगा।
  - **कच्चा माल आपूर्ति योजना (RMSS):** यह योजना सब्सिडीयुक्त धागा उपलब्ध कराती है, रंगाई सुविधाओं में सुधार करती है, तथा हथकरघा बुनकरों को माल ढुलाई प्रतिपूर्ति और मूल्य सब्सिडी प्रदान करती है, जो 2025-26 तक प्रभावी रहेगी।
- **हथकरघा निर्यात संवर्द्धन परिषद (HPEC)** वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत एक गैर-लाभकारी एजेंसी है जिसका उद्देश्य कपड़े, घरेलू सामान और कालीन जैसे हथकरघा उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना है।

//

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 2023

प्रतिवर्ष 7 अगस्त को मनाया जाता है (वर्ष 1905 में इसी दिन स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत हुई थी)

पहली बार आयोजन

- वर्ष 2015 में

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 2023

- थीम - **"Handlooms for Sustainable Fashion"**
- ई-पोर्टल - **"भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष"** की शुरुआत

भारतीय वस्त्र एवं हथकरघा उद्योग परिदृश्य

- कृषि के बाद **ग्रामीण भारत हेतु दूसरा सबसे बड़ा रोज़गार प्रदाता**
- जीडीपी में योगदान - 2%, **भारत का कुल निर्यात** (2020-21) **- 11.4%**
- **'साड़ी डिप्लोमेसी'** और **'खादी डिप्लोमेसी'** का साधन
- **प्रमुख निर्यात केंद्र** करूर, पानीपत, वाराणसी और कन्नूर
- **प्रमुख आयातक -** अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, फ्राँस, जापान, सऊदी अरब, ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड और संयुक्त अरब अमीरात

भारत विश्व भर में हथकरघा उत्पादों का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है

प्रोत्साहन हेतु योजनाएं

- पीएम मित्र योजना **(2021)**
- राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन **(2020)**
- समर्थ **(SAMARTH)** योजना **(2017)**
- पॉवर-टेक्स इंडिया **(2017)**
- संशोधित प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना **(ATUFS) (2015)**
- एकीकृत टेक्सटाइल पार्क योजना **(SITP) (2005)**

चुनौतियाँ

- **असंगठित वित्तीय सहायता** और बुनियादी ढाँचा
- फैशन और डिज़ाइन में **उत्पाद विविधता** का अभाव
- **निम्न आय-** 67% श्रमिक 5,000 रुपए प्रति माह से कम कमाते हैं
- **बिना पेटेंट वाले** हथकरघा डिज़ाइन
- WTO के तहत वस्त्र क्षेत्र में **मुक्त व्यापार व्यवस्था**
- पावरलूम के साथ **प्रतिस्पर्द्धा**

उद्योग में सुधार

- मार्केटिंग, ब्रांडिंग, विज्ञापन और बिक्री के लिये ई-कॉमर्स का लाभ उठाना
- **"ब्रांड इंडिया"** के रूप में भारतीय वस्त्रों के निर्यात को बढ़ावा देना
- बेहतर प्रबंधन और आकर्षक आय के लिये निगमीकरण और सहयोग
- **पेटेंटिंग और GI टैगिंग** के बेहतर अवसर
- शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग

Drishti IAS

अधिक पढ़ें: हथकरघा क्षेत्र में सुधार

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-handloom-day-2